



Published on 12 Oct 2017 PM

काशी भाषा

काशी नगरी के बारे में कहा जाता है कि यह इतिहास से भी पुरानी है। ऐसे अनेकानेक राज्य और मिथकों के कारण काशी की छवि अत्यंत गुरुपथवी हो गई है। काशी नगरी काशी से जुड़े जीवन और मृत्यु के मिश्रण भी बहुत पुराने हैं। प्रस्तुत उपन्यास में काशी के पौराणिक इतिहास से जुड़े अनेक तथ्यों की छान में जीवन-मृत्यु के प्रश्नों को दार्शनिक आसक्ति से संबद्धता का प्रयास किया गया है। उपन्यास की कथावस्तु अपने अंतर में वैच-पारंपरिक है और इसमें तुलने हुए इतिहास और वर्तमान की तुलनाएं एक साथ दिखाई हैं। काशी धरा-धाम का अतीव्या मानसिक विषय कहानी की धारिका है, जो मूलतः आत्मतर्पण की यात्रा है।

काशी मरवाणदुक्ति,

नेहरूद्वय: बनीज टाट्टर, रश्मि दावेद, प्रकाशक:

विश्व इ-साई प्रकाशन, बल्लभ नगर, इटौर,

मूल्य: 501 रु.